



प्रगति, विकास और आशा सीएसआईआर समाचार

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद का गृह बुलेटिन

वर्ष 11 अंक 11

www.csir.res.in

नवम्बर 2023

केन्द्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता बढ़ाने हेतु पब्लिक आउटरीच कैम्पेन का रोडमैप तैयार करने का आह्वान किया

केन्द्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने देशभर के वैज्ञानिक संगठनों और शोध संस्थानों से मोदी सरकार द्वारा स्टार्टअप व संभावित उद्यमियों के लिये विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवोन्मेष के क्षेत्र में पेश सक्षम प्रावधानों को लेकर जागरूकता बढ़ाने हेतु देशव्यापी पब्लिक आउटरीच कैम्पेन शुरू करने के लिये रोडमैप तैयार करने का आह्वान किया।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि चंद्रयान-3 के सफलतापूर्वक चंद्रमा पर उतरने के बाद भारत के अंतरिक्ष खोज अभियानों को लेकर जनता में जबर्दस्त रुचि पैदा हुई है और यह रुझान बना रहना चाहिए।

उन्होंने कहा, "इस तरह के अभियान से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा पिछले नौ साल से अधिक समय के दौरान हमारे डीएसटी, सीएसआईआर, डीबीटी, इसरो,

बढ़ेगी बल्कि इससे युवाओं को इस रोचक यात्रा का हिस्सा बनने और इसमें योगदान करने के लिये प्रेरणा व प्रोत्साहन मिलेगा।"

केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, राज्य मंत्री पीएमओ, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने नई दिल्ली में सभी विज्ञान सचिवों की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में भारत



डीआरडीओ और अन्य वैज्ञानिक विभागों द्वारा हासिल अनुसंधान सफलताओं को लेकर न केवल जनता के बीच जागरूकता

सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) प्रोफेसर अजय कुमार सूद, डीएसटी सचिव प्रो. अभय करादिकर,

सीएसआईआर के सचिव डॉ. (श्रीमती) एन. कलैसेल्वी, डीबीटी सचिव डॉ. राजेश एस. गोखले, अंतरिक्ष विभाग के सचिव और चेयरमैन, इसरो श्री एस. सोमनाथ, परमाणु उर्जा आयोग के चेयरमैन और परमाणु उर्जा विभाग के सचिव डॉ. अजित कुमार मोहंती के साथ कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इस दौरान 01 जनवरी 2023 से 24 सितंबर 2023 तक सीएसआईआर-की 37 सीएसआईआर प्रयोगशालाओं/संस्थानों द्वारा चलाये गये 'एक सप्ताह एक प्रयोगशाला' कार्यक्रम, जिसमें छात्रों और जनता के लिये इन प्रयोगशालाओं के दरवाजे खोल दिये गये, की प्रशंसा करते हुये डॉ. जितेंद्र सिंह ने स्कूली बच्चों में नई खोज के प्रति ललक पैदा करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, "नवोन्मेषी ज्ञान भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में योगदान देगा और इससे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन को पूरा किया जा सकेगा।"

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा कि 'इन्सपायर' योजना से वैज्ञानिक सोच पैदा करने में मदद मिल रही है और इससे हर साल पुरस्कार के लिये प्रतिस्पर्धा में भाग लेने वाले आकांक्षी छात्रों की संख्या बढ़ रही है। नई खोज और नवाचार में रुचि रखने वाले युवाओं के लिये पहली बार मेंटरशिप प्रोग्राम की शुरुआत नवंबर 2021 में भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के अवसर पर की गई।

इन्सपायर पुरस्कार-एमएएनएके (मानक) भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसका क्रियान्वयन भारत सरकार



का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और राष्ट्रीय नवाचार न्यास (एनआईएफ)-भारत, द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता है। इन्सपायर योजना 10-32 वर्ष आयु समूह के छात्रों के बीच कई प्रकार के घटकों में काम करती है। अब तक 1.3 लाख उच्चतर माध्यमिक छात्रों को इन्सपायर छात्रवृत्ति प्रदान की जा चुकी है जिससे कि वह प्राकृतिक और बुनियादी विज्ञान में अपनी पढ़ाई आगे बढ़ा सकें।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थानों और अन्य अकादमिक संगठनों के साथ साथ उद्योग-शैक्षणिक संस्थानों के बीच संपर्क बढ़ाने के लिये अनुसंधान और विकास उपकरणों की सुलभता व उपलब्धता की दिशा में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ढांचागत सुविधाओं से जुड़ी अनेक प्रकार की योजनाओं जैसे कि एफआईएसटी, पीयूआरएसई, एसएआईएफ आदि को समर्थन देता है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का विजन है कि 'अमृतकाल- अगले 25 साल जिसमें विकसित भारत बनेगा'

में देश को आधुनिक विज्ञान के लिये सबसे अत्याधुनिक प्रयोगशाला बनाने को विभिन्न क्षेत्रों में प्रयासों को और तेज किया जाये।

इस विजन की दिशा में काम करते हुये सरकार देश में अनुसंधान के लिये ढांचागत सुविधाओं को तैयार करने में बड़े पैमाने पर निवेश के लिये प्रतिबद्ध है। एफआईएसटी कार्यक्रम के तहत डीएसटी ने 3,131 करोड़ रुपये के कुल बजट से विभिन्न एसटीईएम विभागों में वैज्ञानिक अवसंरचना निर्माण के लिये 3,074 विभागों और पीजी कॉलेजों को समर्थन दिया है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि अब तक 950 करोड़ रुपये के निवेश के साथ बड़ी चुनौतीपूर्ण अनुसंधान और विकास गतिविधियों के लिये उत्साह बनाये रखने हेतु देशभर में विश्वविद्यालयों को सुदृढ़ अवसंरचना अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है।

राष्ट्रव्यापी पहुंच के साथ विश्वविद्यालय अनुसंधान और वैज्ञानिक उत्कृष्टता संवर्धन (पीयूआरएसई) हमारे शिक्षाविदों/वैज्ञानिकों को अत्याधुनिक शोध उपकरण उपलब्ध कराकर विश्वविद्यालय शोध परिवेश को समर्थन देता है जिससे कि हमारे विश्वविद्यालय वैश्विक मानकों

के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकें। एक नई योजना, सुप्रीम, को भी शुरू किया गया है जिसमें मौजूदा विश्लेषणात्मक यंत्रीकरण व्यवस्था (एआईएफ) की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिये उनमें मरम्मत/उन्नयन/रख-रखाव/नये पुर्जे जोड़ना अथवा अतिरिक्त संलग्नक अधिग्रहण के लिये वित्तीय समर्थन दिया जाता है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार देश में वैज्ञानिक अनुसंधान और नवोन्मेष प्रयासों को मजबूती देकर जनता और विशेषकर युवाओं के बीच वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिये अनेक कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि यह एक अखिल भारतीय योजना है जो कि जैवप्रौद्योगिकी विभाग के समर्थन के चलते देश के प्रत्येक जिले में एक स्टार कॉलेज की परिकल्पना की है।

डीबीटी स्टार कॉलेज योजना के तहत देशभर में कुल 278 स्नातक कॉलेजों में जिनमें 1.5 लाख से अधिक छात्र हैं, को समर्थन दिया गया है। इनमें 55 कॉलेज ग्रामीण क्षेत्रों से और 15 कॉलेज आकांक्षी जिलों के हैं।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अब नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियों में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। हम ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन घटाने और साल 2070 तक नेट जीरो का अपना लक्ष्य हासिल करने की ओर बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत आज इलेक्ट्रिक

ऑटोमोबाइल, पवन और सौर ऊर्जा सहित गैर-पारंपरिक ऊर्जा के अग्रणी यूजर्स में से एक है और दुनिया की पहली हाइड्रोजन से चलने वाली बस भारत में बनाई गई है। उन्होंने कहा, “दुनिया नेतृत्व के लिए हमारी तरफ देख रही है।”

मंत्री महोदय ने कहा कि एस एंड टी में भारत ने हाल के वर्षों में अभूतपूर्व प्रगति की है। ऐसी कुछ प्रमुख उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (जीआईआई) की 132 देशों की रैंकिंग में भारत ने बड़ी छलांग लगाई है, जहां वर्ष 2015 में वह 81वें स्थान पर था वहीं 2022 में 40वें स्थान पर पहुंच गया। स्टार्टअप्स, यूनिकॉर्न, वैज्ञानिक



प्रकाशनों और पीएचडी प्रदान करने के मामले में उसकी तीसरी रैंक हो गई है।

उन्होंने कहा, “कोविड महामारी के दौरान भारत ने न केवल अपनी आबादी को बचाया, बल्कि टीके उपलब्ध कराकर दुनिया की भी मदद की। हमने दुनिया का पहला डीएनए टीका भी दिया।”

मंत्री महोदय ने उल्लेख किया कि हाल के दिनों में, भारत सरकार ने कई प्रमुख पहलें शुरू की हैं जैसे कि अंतःविषय साइबर भौतिक प्रणाली (आईसीपीएस)

- ☐ चंद्रमा पर चंद्रयान-3 के उतरने के बाद भारत की अंतरिक्ष खोज परियोजनाओं में जबदस्त जन रुचि पैदा हुई है और यह रुझान बना रहना चाहिये: डॉ. जितेंद्र सिंह
- ☐ “नवोन्मेषी ज्ञान भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में योगदान देगा और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आत्मनिर्भर भारत का विजन पूरा होगा”: डॉ. जितेंद्र सिंह
- ☐ केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ने सभी विज्ञान सचिवों की बैठक की अध्यक्षता की जिसमें 9वें भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान उत्सव- 2024 की तैयारियों की समीक्षा की गई

क्वांटम कंप्यूटिंग और संचार सुपरकंप्यूटिंग, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ग्रीन हाइड्रोजन पर राष्ट्रीय मिशन आदि।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि, हमारा चंद्रयान मिशन चंद्रमा पर पानी के साक्ष्य खोजने वाला पहला मिशन था और आदित्य-एल1 सौर मिशन का नेतृत्व एक महिला निदेशक कर रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरिक्ष अनुसंधान और एस एंड टी में भारत के प्रयासों को एक सक्षम वातावरण प्रदान किया है। जी-20 शिखर सम्मेलन के बाद प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के सबसे बड़े नेता बनकर उभरे हैं।

उन्होंने कहा, “आज दुनिया भारत के नेतृत्व में चलने को तैयार है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष की घोषणा करना हमारे बढ़ते कद का प्रमाण है। अब हम सभी भारतीयों के लिए इस अवसर पर

आगे बढ़ने और इसका फायदा उठाने का समय है।”

मई 2022 में प्रधानमंत्री मोदी के मासिक रेडियो संबोधन ‘मन की बात’ का जिक्र करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम सिर्फ बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि लगभग 50 प्रतिशत स्टार्टअप टियर-2 और टियर-3 शहरों से आते हैं।

उन्होंने कहा, “आज 3,000 से अधिक एग्रीटेक स्टार्टअप हैं और अरोमा मिशन और लैवेंडर की खेती जैसे क्षेत्रों में बहुत सफल हैं। उनमें से कुछ के पास उच्च योग्यता नहीं है, लेकिन वे बहुत इनोवेटिव हैं। 2014 में अंतरिक्ष क्षेत्र में सिर्फ 4 स्टार्टअप

थे, अब 150 से अधिक स्पेस स्टार्टअप हैं, जिनमें से कुछ जो सबसे अग्रणी हैं वे कई सौ करोड़ के हैं।”

उन्होंने कहा कि इसमें से बहुत कुछ प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किए गए अभूतपूर्व सुधारों के कारण संभव हुआ है। इनमें स्टार्टअप नीति, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020, अंतरिक्ष क्षेत्र और ड्रोन विनियमन, नई भू-स्थानिक नीति, राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन जैसे सुधार शामिल हैं।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) भी लाए, जो भारत में छात्रों और युवाओं के लिए नए करियर व उद्यमिता के अवसर खोलने के वादे के साथ स्टार्ट-अप

इकोसिस्टम में सहयोगी है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के पिछले 9 से अधिक वर्षों का उल्लेख करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि औपचारिक नौकरियों के अलावा, देश के युवाओं के लिए सरकारी क्षेत्र के बाहर लाखों अवसर और रास्ते बनाए गए, चाहे वे स्टार्ट-अप हों, मुद्रा योजना हो या पीएम स्वनिधि हो।

बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री ने 17 से 20 जनवरी, 2024 को एनसीआर बायोटेक साइंस क्लस्टर, फरीदाबाद में होने जा रहे 9वें भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ)- 2024 की तैयारियों की समीक्षा की।

1 सप्ताह एक प्रयोगशाला

सीएसआईआर-निस्पर में एक सप्ताह एक प्रयोगशाला कार्यक्रम का आयोजन

सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-निस्पर) ने 11-16 सितंबर 2023 के दौरान ‘अपना एक सप्ताह एक प्रयोगशाला’ (ओडब्ल्यूओएल) कार्यक्रम संपन्न किया है।

एक सप्ताह की लंबी अवधि के दौरान, निस्पर ने संस्थान के उद्देश्यों और जनादेश के विभिन्न दृष्टिकोणों पर केंद्रित कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की। इस कार्यक्रम को विज्ञान नीति अनुसंधान और विज्ञान संचार के क्षेत्र में संस्थान की गतिविधियों, नई पहलों और उपलब्धियों को रेखांकित और प्रदर्शित करने के लिए डिजाइन किया गया था।

इस बात को ध्यान में रखते हुए, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, विज्ञान राजनयिकों, विज्ञान संचारकों, विज्ञान प्रकाशकों, उद्यमियों, उद्योग विशेषज्ञों, किसानों, स्टार्टअप,

विद्यार्थियों और अन्य हितधारकों सहित विभिन्न प्रकार के दर्शकों को लक्षित करने के लिए 7 कार्यक्रमों की योजना बनाई गई थी। इन आयोजनों में स्टार्टअप के विभिन्न पहलुओं, सीएसआईआर प्रौद्योगिकियों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका का सृजन, विज्ञान आउटरीच और विज्ञान कूटनीति और सार्वजनिक भागीदारी के माध्यम से विज्ञान संचार को शामिल किया गया था।

एक सप्ताह एक प्रयोगशाला माननीय केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह की परिकल्पना है। उन्होंने 6 जनवरी 2023 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली से इस पहल की शुरुआत की थी। इस एक सप्ताह एक प्रयोगशाला अभियान की शुरुआत करने वाली अग्रणी सीएसआईआर प्रयोगशाला, केंद्रीय भवन

अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई), रुड़की थी।

एक सप्ताह एक प्रयोगशाला का उद्देश्य वैज्ञानिकों और उनके शोध को समाज के सामने लाना है। इस उद्देश्य के साथ, सीएसआईआर की प्रत्येक प्रयोगशाला ने अपने हितधारकों के साथ अपनी अनुसंधान और विकास उपलब्धियों को प्रदर्शित किया।

इस श्रृंखला में, दिल्ली स्थित सीएसआईआर प्रयोगशाला, निस्पर ने 11-16 सितंबर 2023 के दौरान अपना एक सप्ताह एक प्रयोगशाला कार्यक्रम आयोजित किया।

यह कार्यक्रम 6 सितंबर 2023 को पीएचडी चौबेर ऑफ कॉमर्स, नई दिल्ली में कर्टनरेजर के साथ शुरू हुआ। माननीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

डॉ. जितेंद्र सिंह ने उद्घाटन समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के नेशनल साइंस चेयर डॉ. राकेश भटनागर उपस्थित थे। उन्होंने सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर निस्पर ने संस्थान की गतिविधियों पर एक लघु फिल्म की स्क्रीनिंग के साथ अपनी एक सप्ताह एक प्रयोगशाला विवरणिका विमोचित की।

सभागार में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर माननीय केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह मुख्य अतिथि के रूप में पधारे और डॉ. एन. कलैसेल्वी, सचिव, डीएसआईआर और महानिदेशक, सीएसआईआर सम्मानित अतिथि रहें।

वहीं प्रो. वेणु गोपाल अचंता, निदेशक, सीएसआईआर-एनपीएल

विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम के व्यापक प्रसार के लिए इस आयोजन को यूट्यूब और फेसबुक पर लाइव स्ट्रीम किया गया।

इस अवसर पर माननीय मंत्री डॉ. सिंह ने

कहा "हालांकि सीएसआईआर-निस्पर एक छोटा संस्थान जरूर है, लेकिन इसका जनादेश बहुत बड़ा है। यह संस्थान समाज में वैज्ञानिक प्रगति के सम्प्रेषण और संचार का महत्वपूर्ण कार्य करता है।" इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के प्रयासों को एकीकृत करने के उद्देश्य से 'एक महीना एक थीम' कार्यक्रम मनाने का आह्वान किया। इस दौरान माननीय मंत्री जी ने 'साइंस मीडिया कम्युनिकेशन सेल' का उद्घाटन किया और निस्पर के दो महत्वपूर्ण प्रकाशन ("विज्ञानप्रगति : 80 सर्वश्रेष्ठ लेख संग्रह" और सीएसआईआर/80 : ए फोटो जर्नी 1942-2022") का विमोचन किया।

निस्पर के एक सप्ताह एक प्रयोगशाला



निदेशक, सीएसआईआर-निस्पर; प्रो. रंजना अग्रवाल ने एक सप्ताह एक प्रयोगशाला और निस्पर की गतिविधियों का संक्षिप्त परिचय दिया। वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. योगेश सुमन ने निस्पर के एक सप्ताह एक प्रयोगशाला के दौरान होने वाले कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस और मीडिया ब्रीफिंग का आयोजन किया गया जिसका समन्वय सीएसआईआर-निस्पर के वैज्ञानिक और एक सप्ताह एक प्रयोगशाला के समन्वयक डॉ. मनीष मोहन गोरे ने किया।

कर्टनरेजर के बाद, उद्घाटन समारोह 11 सितंबर 2023 को सीएसआईआर-राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली के



कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में, सीएसआईआर की महानिदेशक डॉ. एन. कलैसेल्वी ने इस संस्थान को सीएसआईआर की एक अत्यावश्यक प्रयोगशाला के रूप में संदर्भित करके निस्पर के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि निस्पर शोधकर्ताओं और समाज के बीच सबसे बड़ा इंटरफेस है।

समारोह का मुख्य हिस्सा माननीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री की उपस्थिति में महानिदेशक, सीएसआईआर द्वारा वर्ष 2022 के लिए शांति स्वरूप भटनागर (एसएसबी) पुरस्कार के विजेताओं की घोषणा रहा।

उद्घाटन समारोह के बाद विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस क्रम में पहला कार्यक्रम 'इंडिया'ज स्टार्टअप रिवोल्यूशन: एन एक्साइटिंग जर्नी फ्रॉम एन आइडिया टू मार्केट' था, जो 12 सितंबर 2023 को सीएसआईआर-एनपीएल

सभागार में निस्पर के एक सप्ताह एक प्रयोगशाला (ओडब्ल्यूओएल) कार्यक्रम के दूसरे दिन आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में स्टार्टअप ओडिशा के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. ओमकार राय, मुख्य अतिथि और सीआईआई दिल्ली स्टेट काउंसिल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक और सीआईओ सैमटेल एवियोनिक्स लिमिटेड (टीबीसी) श्री पुनीत कौरा, सम्मानित अतिथि सहित विभिन्न प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों ने भागीदारी की।

प्रो. चिनत्सानवांग निदेशक, विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रभाग, ताइपे आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र, ताइवान दूतावास के सम्मानित अतिथि और सीएसआईआर—आईजीआईबी के निदेशक डॉ. सौविक मैती ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस आयोजन में 300 से अधिक प्रतिभागियों ने ऑफलाइन और 800 से अधिक प्रतिभागियों ने ऑनलाइन हिस्सा लिया। स्टार्टअप कार्यशाला के सब से रोमांचक अंश के रूप में से एक प्रदर्शनी आयोजित की गयी थी जिस में उच्च प्रौद्योगिकी से लेकर ग्रामीण विकास को प्रमुख रूप से प्रभावित करने वाले 30 से अधिक स्टार्टअप शामिल हुए। हाइड्रोजन से चलने वाली कार पर ध्यान केंद्रित करने वाले स्टार्टअप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करने वाले खिलौना निर्माता और एक बीज स्टार्टअप इस प्रदर्शनी के कुछ मुख्य आकर्षण थे।

स्टार्टअप इवेंट के बाद, 13 सितंबर 2023 को सीएसआईआर—एनपीएल में तीसरे दिन एक अनोखा कार्यक्रम 'ग्रासरूट इनोवेशंस एंड स्किल डेवलपमेंट कॉन्क्लेव फॉर रूरल डेवलपमेंट' आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम मुख्य रूप से किसानों, महिला स्वयं सहायता समूह और एफपीओ सहित ग्रामीण क्षेत्रों के हितधारकों को समर्पित था।

इसकी शुरुआत मुख्य अतिथि डॉ. शेखर सी. मांडे, पूर्व महानिदेशक, सीएसआईआर; सम्मानित अतिथि डॉ. संजयकुमार, अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड (एएसआरबी) और विशेष आमंत्रित सदस्य श्री प्रवीणरामदास, सचिव, विज्ञान भारती (विभा) द्वारा सीएसआईआर ग्रामीण प्रौद्योगिकियों पर प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ हुई।

इस प्रदर्शनी में 10 से अधिक सीएसआईआर प्रयोगशालाओं, उन्नत भारत अभियान और विज्ञान भारती ने भाग लिया और अपनी प्रौद्योगिकियों और उत्पादों का प्रदर्शन किया।

इसमें 500 से अधिक प्रतिभागियों ने ऑफलाइन और ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। इस अवसर पर



वैज्ञानिक-किसान संवाद का एक तकनीकी सत्र आयोजित किया गया, जहां सीएसआईआर के वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों



ने अपने अनुभव के आधार पर ग्रामीण क्षेत्रों में प्रौद्योगिकियों के प्रसार के बारे में जानकारी साझा की। हितधारकों को स्मार्ट खेती के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए किसान सभा ऐप (सीएसआईआर और औद्योगिक भागीदार द्वारा संयुक्त रूप से विकसित) पर एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया था। तीसरे तकनीकी सत्र में, प्रो. वीरेंद्र कुमार विजय, राष्ट्रीय समन्वयक—उन्नत भारत अभियान (यूबीए), ब्रिगेडियर पी. गणेशम, विशिष्ट सेवा मैडल (सेवानिवृत्त), पल्ले सृजना के संस्थापक अध्यक्ष और डॉ. रोहित कंडा कतला ने भी दर्शकों को संबोधित किया।

13 सितम्बर को स्टूडेंट-साइंस कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सीएसआईआर के पूर्व महानिदेशक डॉ. शेखर सी. मांडे और एएसआरबी के



अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार उपस्थित रहे। डॉ. संजय ने कहानी सुनाकर विद्यार्थियों को जिज्ञासु बने रहने और प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित किया। इस में दिल्ली के विभिन्न स्कूलों के 150 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सुमन रे द्वारा विद्यार्थियों को मिलेट के पोषण संबंधी महत्व और पारंपरिक व्यंजनों के बारे में जागरूक किया गया और पारंपरिक ज्ञान पर एक मनोरंजक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की और डॉ. चारुलता, मुख्य वैज्ञानिक और डॉ. परमानंद बर्मन, वैज्ञानिक, सीएसआईआर-निस्पर द्वारा समाज में वैज्ञानिक रूप से मान्य पारंपरिक ज्ञान (SVASTIK) का संचार करने की निस्पर की पहल के बारे में बताया गया। इस अवसर पर कठपुतली शो का भी आयोजन किया गया जो विद्यार्थियों के आकर्षण का केंद्र रहा।

इस के समानांतर, विशेषज्ञों द्वारा विज्ञान संचार के विभिन्न पहलुओं को लेकर 50 से अधिक शिक्षकों को शामिल करते हुए विज्ञान संचार पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि प्रो. शर्मिष्ठा बनर्जी, हैदराबाद विश्वविद्यालय ने इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों को बहुविषयक विज्ञान पढ़ाने पर जोर दिया। श्री हसन जावेद खान, मुख्य वैज्ञानिक और सुश्री सोनाली नागर, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीएसआईआर-निस्पर ने विज्ञान संचार के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर बातचीत की।

चौथे दिन (14 सितंबर 2023 को) 'साइंस कम्युनिकेशन: पब्लिक इंगेजमेंट विथ साइंस' विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, डॉ. संतोष चौबे, कुलपति, रवीन्द्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल और विशिष्ट अतिथि, डॉ. त्सेरिंगताशी, उप परियोजना निदेशक,

ने विगेशन स्पेस क्राफ्ट, यू.आर. राव सैटेलाइट सेंटर, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), बेंगलुरु ने उपस्थित समुदाय को संबोधित किया।

इस अवसर पर सीएसआईआर-निस्पर की लोकप्रिय विज्ञान पत्रिका "विज्ञान प्रगति" के 70 वर्ष पूरे होने पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें इस पत्रिका की 70 वर्षों की यात्रा को प्रदर्शित किया गया। समाज में विज्ञान के प्रसार में लगे संगठनों पर केंद्रित एक तकनीकी सत्र भी आयोजित किया गया जिसमें वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग (डॉ. अशोक एन. सेलवेटकर), सीएसआईआर-निस्पर (डॉ. मनीष मोहन गोरे), एनआरडीसी (डॉ. अंकिता मिश्रा), होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन (डॉ. के. के. मिश्रा), विज्ञानभारती (डॉ. राजीव सिंह) और लोक विज्ञान परिषद (डॉ. ओ.पी.शर्मा) के विशेषज्ञ और वैज्ञानिक

शामिल हुए।

चौथे दिन के कार्यक्रम में हिंदी दिवस (14 सितंबर) के उपलक्ष्य में 'विज्ञान कवि सम्मेलन' आयोजित किया गया था। इस कवि सम्मेलन के मुख्य अतिथि श्री महेंद्र कुमार गुप्ता, संयुक्त सचिव, प्रशासन, सीएसआईआर मुख्यालय और अध्यक्ष डॉ. मधुपंत, प्रसिद्ध विज्ञान कवयित्री और पूर्व निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली उपस्थित रहे। इस कवि सम्मेलन के दौरान विभिन्न प्रसिद्ध विज्ञान कवियों (श्री महेश वर्मा, श्री मोहन सगोरिया, डॉ. अनु सिंह, डॉ. वेदमित्र शुक्ल, श्री यशपाल सिंह यश और डॉ. एस. द्विवेदी ने अपनी विज्ञान कविताओं का पाठ किया। संचालन सुश्री राधा गुप्ता ने किया।

पांचवें दिन (15 सितंबर 2023) सीएसआईआर-निस्पर के सत्संग विहार मार्ग परिसर में 'साइंस नॉलेज कन्वेंशन' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. अखिलेश गुप्ता, सचिव, एसआईआरबी व वरिष्ठ सलाहकार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), और विशिष्ट अतिथि डॉ. सुमन कुमारी मिश्रा, निदेशक, सीएसआईआर-सीजीसीआरआई, कोलकाता ने किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एनकेआरसी कंसोर्टियम के बारे में बातचीत और प्रदर्शन के लिए एक मंच प्रदान करके विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्टाफ, शोधकर्ताओं, छात्रों और एनकेआरसी नोडल अधिकारियों के लाभ के लिए विभिन्न ई-संसाधनों, डेटाबेस, मानकों और विभिन्न ज्ञान उत्पादों का प्रदर्शन करना था। इस कार्यक्रम में एनकेआरसी के संबंध में सीएसआईआर और डीएसटी तथा सीएसआईआर और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए गए।

इस अवसर पर, 'एनकेआरसी रिपोर्ट'



ए जर्नी ऑफ 21 इयर्स एंड स्पेशल इश्यूज: आईजेबीबी एंड आईजेईएमएस' के विमोचन के साथ-साथ 'ई-संसाधन पर एक माह एक व्याख्यान' पहल भी शुरू की गई। विज्ञान और प्रौद्योगिकी सूचना और ज्ञान संसाधनों पर एक पैनल चर्चा की अध्यक्षता डीएसटी के स्वायत्त संस्थान प्रभाग के प्रमुख डॉ. मनोरंजन मोहंती ने की। श्रीमती नीलू श्रीवास्तव, मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर-निस्पर सह-अध्यक्ष थीं। इस अवसर पर श्री मुकेश पुंड, मुख्य वैज्ञानिक और डॉ. ताराकांत जाना, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-निस्पर ने अपने विचार साझा किए। लेखक और प्रकाश कइंटरेक्शन मीट का आयोजन किया गया, जिसमें 'ई-जर्नल्स: साइंटिफिक राइटिंग एंड पब्लिकेशन', 'इंडेक्सिंगटूल्स' और 'ई-रिसोर्सज फॉर एसएंडटी रिसर्च एंड स्टैंडर्ड्स एंड डेटाबेस' के महत्व पर प्रकाश डाला गया। सीएसआईआर के पूर्व मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सुमन मलिक इस कार्यक्रम के अध्यक्ष थे और सीएसआईआर-निस्पर के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक श्री सी.बी. सिंह इस सत्र के सह-अध्यक्ष थे। इस के लिए चर्चा हेतु दो सत्र आयोजित किये गये।

'सोसाइटल इम्पैक्ट ऑफ योर रिसर्च/

प्रोजेक्ट अंडरटेकेन' विषय पर एक विज्ञान प्रदर्शनी और पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। प्रतियोगिता में अनेक विद्यार्थियों एवं अतिथियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान कई प्रतिष्ठित विज्ञान प्रकाशकों ने भाग लिया और अपने स्टॉल लगाए। प्रमुख विज्ञान प्रकाशकों में वाइली, क्लैरिफेट, एल्सेवियर, अमेरिकन केमिकल सोसाइटी (एसीएस), एसीएस इंटरनेशनल इंडिया, साइफाइंडर, ग्रामरली और इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स (आईओपी) शामिल हैं। सीएसआईआर-सीआरआरआई के निदेशक डॉ. मनोरंजन पारिदा ने श्रोताओं को संबोधित किया और पोस्टर प्रदर्शित करने वाले विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। इस कार्यक्रम में ऑफलाइन और ऑनलाइन माध्यम से 800 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. एन.के. प्रसन्ना, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीएसआईआर-निस्पर ने दिया।

सप्ताह भर चलने वाला यह कार्यक्रम 16 सितंबर 2023 को "सतत विकास के लिए विज्ञान कूटनीति" कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ, जिसमें यह पता लगाया गया कि विज्ञान कूटनीति विशेष

रूप से सतत विकास, स्थायी उद्यमिता विकास में कैसे योगदान दे सकती है। मुख्य अतिथि डॉ. फिलिप एकरमैन, भारत और भूटान में जर्मन राजदूत, जर्मन दूतावास, नई दिल्ली और सम्मानित अतिथि डॉ. भास्कर बाल कृष्णन, पूर्व विज्ञान राजनयिक ने श्रोताओं को संबोधित किया। डॉ. रामा स्वामी बंसल, प्रमुख, अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

मामला निदेशालय, सीएसआईआर; प्रोफेसर माधव गोविंद, अध्यक्ष, सेंटर फॉर स्टडीज इन साइंस पॉलिसी, जेएनयूय; श्री आर. माधव, निदेशक, इंडो-जर्मन एसएंडटी सेंटर; डॉ. पूर्णिमा रूपल, पूर्व निदेशक, सीईएफआईपीआरए और प्रमुख, एससीडीडी, सीएसआईआर और डॉ. धोया, इनोवेशन काउंसिलर फॉर इंडिया, किंगडम ऑफ नीदरलैंड्स दूतावास ने विशेषज्ञ वक्ता

के रूप में इस कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ. योगेश सुमन, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक और अध्यक्ष, निस्पर-ओडब्ल्यूओएल ने एक सप्ताह एक प्रयोगशाला के दौरान संपन्न हुए कार्यक्रमों का सारांश प्रस्तुत किया और डॉ. मनीष मोहन गोरे, वैज्ञानिक और समन्वयक, निस्पर-एक सप्ताह एक प्रयोगशाला ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

सीएसआईआर-सीएफटीआरआई ने माल्टेड रागी से तत्काल पेय मिश्रण को विकसित किया

पेय पदार्थों के मिश्रण में माल्टेड रागी के आटे सहित माल्टेड अनाज के आटे का उपयोग करने का एक बड़ा नुकसान उनकी तलछट की प्रवृत्ति है।

इस चुनौती को सीएसआईआर-सीएफटीआरआई, मैसूरू द्वारा संबोधित किया गया और अद्वितीय गैर-अवसादन माल्टेड रागी-आधारित तत्काल पेय मिश्रण को विकसित किया गया।

मैसूरू के प्रमुख संस्थान के नए नवाचार को हाल ही में नई दिल्ली में वर्ल्ड फूड इंडिया कार्यक्रम के दौरान सीएसआईआर मंडप में लॉन्च किया गया।

इस आयोजन में सीएसआईआर-सीएफटीआरआई निदेशक डॉ. श्रीदेवी अन्नपूर्णा सिंह और संस्थान के कुछ वैज्ञानिक उपस्थित थे।

सीएसआईआर-सीएफटीआरआई के एक नोट में कहा गया कि माल्टेड रागी से बना पेय पदार्थ एक त्वरित पेय मिश्रण है। इसे गर्म या ठंडे मिश्रण के साथ दोबारा बनाया जा सकता है और सेवन किया जा सकता है।

बाजार में उपलब्ध पेय मिश्रण में



आधार सामग्री के रूप में मुख्य रूप से जौ माल्ट (जौ माल्ट अर्क) से निकाले गए ठोस पदार्थ होते हैं।

नोट में कहा गया कि सीएसआईआर-सीएफटीआरआई द्वारा विकसित उत्पाद अद्वितीय है क्योंकि इसमें माल्टेड रागी से परिष्कृत आटा 30 प्रतिशत के स्तर पर होता है और जौ माल्ट निकालने की सामग्री 18 प्रतिशत से कम हो जाती है।

माल्टेड रागी के पेय मिश्रण में 13 ग्राम से अधिक प्रोटीन, प्रति 100 ग्राम नमूने में

3,590 मिलीग्राम से अधिक कैल्शियम होता है और 362 किलो कैलोरी ऊर्जा प्रदान करता है।

रागी बिना किसी अतिरिक्त गुण के कैल्शियम का एक प्राकृतिक स्रोत है।

संस्थान ने नोट में कहा कि आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त विटामिन और खनिजों के साथ उत्पाद को आसानी से मजबूत किया जा सकता है और लक्षित आबादी के अनुरूप विभिन्न स्वादों में तैयार किया जा सकता है।

सीएसआईआर-मानव संसाधन विकास केंद्र, गाजियाबाद द्वारा आयोजित कार्यक्रम

सीएसआईआर एकीकृत कौशल पहल के नोडल अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण, 2-3 अगस्त, 2023

सीएसआईआर एकीकृत कौशल पहल की निगरानी समिति की दूसरी बैठक 2 अगस्त, 2023 को सीएसआईआर-एचआरडीसी, गाजियाबाद में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. एम.एम.चतुर्वेदी और सदस्यों-डॉ. एस. एस. आर्य (भारतीय कृषि कौशल परिषद), सुश्री अंजू बजाज (दिल्ली उत्पादकता परिषद), डॉ. नीता दास प्रधान (राष्ट्रीय कौशल विकास निगम), डॉ. आर.के. सिन्हा (प्रमुख एचआरडीसी) और डॉ. विनय कुमार (नोडल पीआई-एचआरडीसी) ने की, जहां सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के नोडल अधिकारियों ने वर्ष 2022-23 के लिए परियोजना में अपनी वार्षिक प्रगति, उपलब्धियां और परिणाम प्रस्तुत किए।

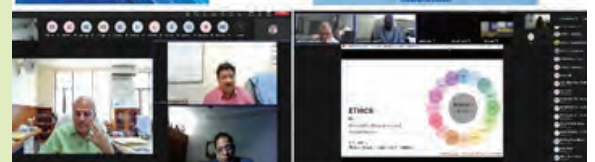
सीएसआईआर एकीकृत कौशल पहल के नोडल अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण 3 अगस्त, 2023 को हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया। सीएसआईआर-एचआरडीसी के प्रमुख डॉ. श्री एस आर के सिन्हा ने अतिथियों और प्रतिनिधियों का स्वागत किया। विभिन्न सीएसआईआर प्रयोगशालाओं से 48 नोडल अधिकारी और उनकी टीम के साथी इस में उपस्थित हुए और अपना ज्ञान एवं अनुभव साझा किया।

सितंबर से नवंबर 2023 के दौरान सतर्कता की प्रस्तावना के रूप में सीएसआईआर-क्षमता निर्माण कार्यक्रम सतर्कता जागरूकता, 2023 की प्रस्तावना

के रूप में सीएसआईआर-क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के अनुपालन में, सीएसआईआर-एचआरडीसी ने ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एक त्रैमासिक प्रशिक्षण कैलेंडर तैयार किया।

सीएसआईआर में अधिकतम भागीदारी प्राप्त करने के लिए जागरूकता कार्यक्रमों की एक श्रृंखला ऑनलाइन आयोजित की गई। कार्यक्रम इस प्रकार हैं:

- आरटीआई, पारदर्शिता और अनिवार्य प्रकटीकरण पर कार्यक्रम
- सार्वजनिक खरीद पर कार्यक्रम: सतर्कता परिप्रेक्ष्य
- "अनुशासनात्मक कार्यवाही में जांच अधिकारी (आईओ) और प्रस्तुतीकरण अधिकारी (पीओ) की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां" पर ऑनलाइन कार्यक्रम
- अनुसंधान और शासन में नैतिकता पर कार्यक्रम
- साइबर स्वच्छता और सुरक्षा
- सीसीएस (आचरण) नियम, 1964 पर कार्यक्रम
- कार्यस्थल पर महिलाओं के लिंग संवेदीकरण और यौन उत्पीड़न पर जागरूकता कार्यक्रम: रोकथाम, निषेध और निवारण



इन ऑनलाइन कार्यक्रमों में सीएसआईआर के विभिन्न केंद्र के 2000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इन जागरूकता कार्यक्रमों की प्रतिक्रिया जबरदस्त थी।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम: आईटी अधिकारियों का मंच, 26-27 अक्टूबर, 2023
दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम: आईटी अधिकारियों का मंच, 26-27 अक्टूबर, 2023 के दौरान आयोजित किया गया। इस दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम

में विभिन्न सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के लगभग 75 आईटी अधिकारियों ने भाग लिया। श्री महेंद्र कुमार गुप्ता संयुक्त सचिव, सीएसआईआर ने डॉ आर के सिन्हा, प्रमुख, सीएसआईआर-एचआरडीसी और श्रीमती डॉली चौधरी, प्रमुख, आईटी, सीएसआईआर-मुख्यालय के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस मंच का फोकस सीएसआईआर को एक मंच पर डिजिटल बनाने और एक सीएसआईआर बनाने के लिए नए विचारों और संभावनाओं पर विचार-मंथन करना है।

एएमएस के माध्यम से वार्षिक खाते तैयार करने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, 30-31 अक्टूबर, 2023

एएमएस के माध्यम से वार्षिक खाते तैयार करने पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 30-31 अक्टूबर, 2023 के दौरान आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में वित्त एवं लेखा अधिकारी और वित्त एवं लेखा नियंत्रक स्तर के लगभग 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ. एन कलैसेल्वी, सचिव, डीएसआईआर और महानिदेशक, सीएसआईआर, और सुश्री गुरवीन सिद्धू, महानिदेशक ऑडिट (पर्यावरण और वैज्ञानिक विभाग) ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई और प्रतिभागियों को संबोधित किया।

श्री महेंद्र कुमार गुप्ता, जेएस,



सीएसआईआर, और श्री चेतन प्रकाश जैन, जेएस एवं एफए, सीएसआईआर ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया।

सीएसआईआर-एचआरडीसी के नामित प्रमुख डॉ. टी.एस. राणा ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया।

सीएसआईआर-निस्पर ने 8वां आयुर्वेद दिवस मनाया

9 नवंबर, 2023 को, 8वें आयुर्वेद दिवस का जश्न मनाने के लिए, अपनी SVASTIK पहल के हिस्से के रूप में सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान

संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (निस्पर) ने आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) के सहयोग से "जीवनशैली विकारों में आयुर्वेद की

भूमिका" पर एक विशेष व्याख्यान की मेजबानी की। श्री आर.एस. जयसोमु, मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर-निस्पर ने प्रतिभागियों का गर्मजोशी से

स्वागत किया और कार्यक्रम के लिए अपनी परिचयात्मक टिप्पणी दी।

श्री जयसोमु ने विशेष रूप से वर्तमान प्रतिकूल पर्यावरणीय परिस्थितियों के आलोक में आयुर्वेद को हमारे दैनिक जीवन में एकीकृत करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

डॉ. परमानंद बर्मन, वैज्ञानिक, सीएसआईआर-निस्पर ने अध्यक्ष, डॉ. साक्षी शर्मा, अनुसंधान अधिकारी (आयु), केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली का परिचय दिया।

अपने मुख्य भाषण में, डॉ. शर्मा ने बीमारियों से उबरने की प्रक्रिया पर अच्छे स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके अलावा, उन्होंने पारंपरिक ज्ञान के महत्व और किसी की जीवनशैली का मूल्यांकन किए बिना दवा का सहारा लेने की प्रचलित प्रथा के बारे में अपनी आशंका भी व्यक्त



की।

मनोरम व्याख्यान में आयुर्वेद के विभिन्न पहलुओं, जैसे कि प्रकृति, आयुर्वेद घड़ी, आहार अभ्यास और तनाव से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं को कम करने की रणनीतियाँ शामिल थीं।

व्याख्यान के बाद प्रश्नोत्तर सत्र हुआ। सीएसआईआर निस्पर में प्रधान वैज्ञानिक और पीआई/समन्वयक-स्वस्तिक डॉ. चारु लता ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा और वक्ता और दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया।



कार्यक्रम का समापन सीएसआईआर-निस्पर की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सुमन रे द्वारा समन्वित एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर के साथ हुआ।

डॉ राहुल प्रजेश इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के 'युवा इंजीनियर पुरस्कार 2023-24' से सम्मानित

सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) के सेमिकंडक्टर शोध क्षेत्र में कार्यरत युवा वैज्ञानिक डॉ राहुल प्रजेश, प्रधान वैज्ञानिक को वैज्ञानिकों एवं इंजीनियरों के प्रतिष्ठित 'आईआईआई यंग इंजीनियर्स अवार्ड 2023-24' से सम्मानित किया गया है।

इस पुरस्कार के लिए डॉ प्रजेश का चयन इंजीनियरिंग क्षेत्र के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलिकम्युनिकेशन डिवीजन के लिए किया गया है।

डॉ राहुल प्रजेश को यह पुरस्कार सुप्रसिद्ध एवं प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्था इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) द्वारा 27 अक्टूबर, 2023 को कोच्चि में हुए 38वें राष्ट्रीय अधिवेशन में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष डॉ एस सोमनाथ ने प्रदान किया।

इस पुरस्कार के अंतर्गत डॉ प्रजेश को स्मृति चिह्न



स्वरूप प्लैक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया तथा सेमिकंडक्टर सेंसर एंड माइक्रोसिस्टम्स ग्रुप के प्रमुख डॉ सुचंदन पाल सहित अन्य सहकर्मियों ने पुरस्कार जीतने पर खुशी व्यक्त की तथा डॉ राहुल प्रजेश को बधाई दी।

गौरतलब है कि डॉ राहुल प्रजेश को वैज्ञानिक शोध में उनके योगदान के लिए वर्ष 2021 में इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया)–राजस्थान के युवा शोधकर्ता सम्मान (यंग रिसर्चर अवार्ड) से भी पुरस्कृत किया जा चुका है।

क्या है आई ई आई युवा इंजीनियर पुरस्कार : इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) द्वारा प्रदत्त युवा इंजीनियर अवार्ड अनुसंधान, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण आदि

उत्कृष्ट कार्यों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 35 वर्ष से कम आयुवर्ग के इंजीनियरों को दिया जाता है।

पुरस्कार का उद्देश्य इन क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले इंजीनियरों को सम्मानित करना है।

इसके अंतर्गत सभी 15 इंजीनियरिंग डिविजनों के विजेताओं को संस्था द्वारा आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में सम्मानित किया जाता है।

इस वर्ष इस श्रेणी में सीएसआईआर—सीरी के प्रधान वैज्ञानिक डॉ राहुल प्रजेश के अलावा आईआईटी—कानपुर के सहायक प्रोफेसर डॉ तुषार बी. संधान और विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर (इसरो) की वैज्ञानिक सुश्री प्रिया पी. भी इस वर्ग में युवा इंजीनियर पुरस्कार से सम्मानित किए गए।

डॉ राहुल प्रजेश का संक्षिप्त परिचय :
वर्तमान पद :

प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर—सीरी

शिक्षा :

बी.टेक.(2010 में), एमटेक (2012 में) और पी एच डी(2018 में)

कार्यानुभव :

12 वर्ष (बहु-विषयक अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में)

प्रकाशन :

अंतरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय पत्रिकाओं और सम्मेलनों में 60 से अधिक शोध पत्र

संस्थाओं की सदस्यता :

आईई (भारत), IEEE (भारत), IETE (भारत)

अनुसंधान रुचि के क्षेत्र :

गैस सेंसर प्लैटफॉर्मस, कैमिकल/बायोकेमिकल सेंसर, गैस सेंसिंग मेटिरियल्स, पीजो इलेक्ट्रिक मेटिरियल्स, तापमान सेंसर, मास एयर फ्लो सेंसर माइक्रो-नैनोटेक्नोलॉजी, सर्फेस कैरेक्टराइजेशन टेक्नीक्स आदि।

सीएसआईआर-कोशिकीय एवं आण्विक जीव विज्ञान केन्द्र (सीसीएमबी) हैदराबाद में हिंदी पखवाड़ा आयोजन-2023

भारत सरकार के निर्देशानुसार राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार के लिए प्रतिवर्ष सितंबर माह में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया जाता है।

यह संस्थान राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सीएसआईआर—सीसीएमबी, हैदराबाद में 31 अगस्त से 12 सितंबर 2023 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया और 05 अक्टूबर 2023 को इसका समापन समारोह

आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी ने सभी लोगों को शुभकामनाएँ दीं और अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करने के लिए सबको प्रोत्साहित किया, साथ ही साथ हिंदी पखवाड़े में होने वाले कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने हेतु सबसे अनुरोध किया।

राजभाषा विभाग, गृहमंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार 'पुणे' में 14 एवं 15 सितंबर 2023 को माननीय गृह एवं

सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित हिंदी दिवस एवं तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का भव्य आयोजन हुआ जिसमें संस्थान का प्रतिनिधित्व श्रीमती शैलजा मद्दाली प्रशासन नियंत्रक, श्रीमती नूपुर रानी प्रसाद हिंदी अधिकारी, श्रीमती सविता कुमारी हिंदी अनुवादक ने किया था।

हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत होने वाली प्रतियोगिताओं का ब्यौरा इस प्रकार है:

● 31 अगस्त 2023 को प्रशासन भवन



के समिति कक्ष में सामान्य अनुवाद प्रतियोगिता आयोजित की गयी।

- 01 सितंबर, 2023 को टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- 04 सितंबर, 2023 को स्मृति एवं आपका संस्मरण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- 05 सितंबर, 2023 को निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गयी।
- 07 सितंबर, 2023 को क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गयी।
- 08 सितंबर, 2023 को बहुविकल्पीय प्रश्न प्रतियोगिता आयोजित की गयी।
- 11 सितंबर, 2023 को अंताक्षरी प्रतियोगिता आयोजित की गयी।
- 12 सितंबर, 2023 को हिंदी पुस्तकों

की प्रदर्शनी लगायी गयी।

इन सभी प्रतियोगिताओं में सीसीएमबी के कर्मचारियों, अधिकारियों, तकनीकी अधिकारियों एवं शोध छात्र-छात्राओं ने बहुत उत्साह से भाग लिया।

प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन के उपरान्त दिनांक 05 अक्टूबर 2023, को हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह का आयोजन किया गया। श्री चंदन कुमार, प्रशासनिक अधिकारी ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कार्यक्रम में सबका स्वागत अभिनंदन किया एवं मुख्य अतिथि एवं कार्यकारी निदेशक महोदया को मंच पर आमंत्रित किया।

पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विषय में जानकारी दी और विजेताओं को बधाई दी।

सीसीएमबी की कार्यकारी निदेशक

डॉ. मंजुला रेड्डी ने इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

डॉ. मंजुला रेड्डी ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न और शॉल से सम्मानित किया। उन्होंने मुख्य अतिथि का धन्यवाद किया और इस केन्द्र के कर्मचारियों को राजभाषा हिंदी की प्रगति हेतु प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सभी कर्मचारी अपने कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिंदी का अधिक प्रयोग करें।

तत्पश्चात मुख्य अतिथि को मंच पर आमंत्रित किया गया। डॉ. टी. जे. रेखा रानी, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद में हिंदी विभाग की अध्यक्ष एवं लेखक, समारोह के मुख्य अतिथि थी। श्रीमती सविता कुमारी, हिन्दी अनुवादक द्वारा मुख्य अतिथि का परिचय पढ़ा

गया। मुख्य अतिथि ने इस संदर्भ में राजभाषा 'हिंदी' पर अपना विस्तृत वक्तव्य प्रस्तुत किया तथा वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा की महत्ता पर बल दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी का राष्ट्र के नाम संदेश के बारे में बताया।

भारत में रचित महाकाव्य के माध्यम से भाषा की महत्ता के बारे में बताया। महाकाव्य ने पूरे भारत को जोड़कर रखा हुआ है उत्तर और दक्षिण भारत के राम एक ही हैं के माध्यम से भाषा की महत्ता के बारे में बताते हुए क्षेत्रीय भाषा, मातृ भाषा से ही देश का उत्थान संभव है आदि विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि अपनी मातृ भाषा के बल पर ही चीन और रूस विकसित देश बने हैं। और बहुत से विषयों पर सीमित समय में बहुत ही सारगर्भित और गहरी जानकारी दी। तत्पश्चात, हिंदी अधिकारी द्वारा हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं के नामों की

घोषणा की गयी। और साथ ही प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को भी नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अंतर्गत कर्मचारियों द्वारा वर्ष भर हिंदी में किए गए मौलिक कार्यों की समीक्षा के लिए समिति बनाई गई एवं समिति के निर्णयों के आधार पर विजेताओं का चयन किया गया। हिंदी पखवाड़े के समापन समारोह के दौरान विजेताओं को मुख्य अतिथि डॉ. टी जे रेखा रानी जी और संस्थान की कार्यकारी निदेशक डॉ. मंजुला रेड्डी द्वारा नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

मंच का संचालन श्री चंदन कुमार, प्रशासनिक अधिकारी ने किया। संस्थान की कार्यकारी निदेशक महोदया ने सभी को बधाई दी। हिंदी पखवाड़ा के सभी कार्यक्रमों का सफल समन्वय श्रीमती नूपुर रानी प्रसाद हिंदी अधिकारी, श्रीमती सविता कुमारी हिंदी अनुवादक एवं सहायक अनुभाग अधिकारी श्रीमती मंजू सिंह द्वारा किया गया।

हिंदी पखवाड़े के आयोजन में भव्य और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुआ। प्रथम चरण में प्रार्थना, उसके बाद हिंदी में गीत, गजल, कविताएँ, हास्य रचनाएँ और नृत्य प्रस्तुत किए गए तथा दूसरे चरण में पी.एच.डी शोध छात्रों द्वारा हास्य नाटक 'गदर एक लैब कथा' का मंचन किया गया। सभी प्रतिभागियों को उपहार भी दिए गए। सभी श्रोताओं एवं दर्शकों ने इस कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया। हिंदी पखवाड़ा की उत्तम एवं सारगर्भित ढंग से व्यवस्था करने में पूरे हिन्दी अनुभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

हिन्दी अधिकारी ने राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उपस्थित सभी लोगों से अपना योगदान देने को कहा साथ ही उपस्थित सभी लोगों को हिंदी में काम करने के लिए बधाई दी।

अंत में कार्यक्रम का समापन हिंदी अनुवादक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ सम्पन्न हुआ।

सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक जीवविज्ञान संस्थान, कोलकाता में हिन्दी पखवाड़े का आयोजन

भारतीय रासायनिक जीवविज्ञान संस्थान में 14-29 सितंबर 2023 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। 19 सितंबर, 2023 (मंगलवार) को हिंदी कविता कंठस्थ प्रतियोगिता एवं हिंदी तत्काल भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी के स्वागत भाषण द्वारा हुआ। हिंदी कविता कंठस्थ प्रतियोगिता एवं हिंदी तत्काल भाषण प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में

श्री नीरज चड्ढा, वैज्ञानिक अधिकारी (ई) कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान समूह एवं डॉ. ममता त्रिवेदी, मुख्य, हिंदी विभाग, योगेश चंद्र चौधरी कॉलेज उपस्थित थे।

20 सितंबर, 2023 हिंदी निबंध एवं टिप्पण तथा मसौदा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के प्रतिभागियों ने काफी तादात में अंश ग्रहण किया। इन दो प्रतियोगिताओं में डॉ. सुनंदा राय चौधरी, एसोसिएट प्रोफेसर हिंदी विभाग (पूर्व), योगेश चंद्र चौधरी कॉलेज कोलकाता

निर्णायक के रूप में विराजमान थी।

21 सितंबर, 2023 को हिंदी बाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके निर्णायक के रूप में श्री नवीन कुमार प्रजापति, वरिष्ठ सलाहकार, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो (राजभाषा विभाग), एवं श्रीमती रीता भट्टाचार्य, पूर्व मुख्य प्रबंधक, राजभाषा यू.बी.आई, कोलकाता उपस्थित थे।

22 सितंबर, 2023 को 'राजभाषा के संबैधानिक उपबंध' विषय पर प्रशासनिक



कर्मचारियों के लिए एक-दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका संचालन श्री प्रियंकर पालीवाल, सलाहकार, भारतीय विद्या मन्दिर कोलकाता द्वारा किया गया।

इस कार्यशाला में सभी ने भाग लिया। इसके अलावा कर्मचारियों ने अपना फाइल में 40,000 हिंदी शब्द लिख कर प्रस्तुत किए और पुरस्कार के हकदार बनें।

29 सितंबर, 2023 को हिंदी पखवाड़ा समारोह समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती पारुल कुश जैन, आईपीएस आईजीपी, ट्राफिक, पश्चिम बंगाल पश्चिम बंगाल पुलिस निदेशालय-भवानी भवन उपस्थित थी, जिनका स्वागत हमारे संस्थान के निदेशक डॉ. अरुण बद्योपाध्याय द्वारा किया गया।

14 से 29 सितंबर 2023 के दौरान आयोजित सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

इसके अतिरिक्त सभी प्रतियोगिताओं में अंशग्रहण करने वाले प्रतिभागियों को प्रतिभागिता पुरस्कार से भी सम्मनित किया गया।

संस्थान के प्रेक्षागृह में उपस्थित कर्मचारियों एवं अनुसंधानकर्ताओं को हिंदी में 'त' से एक शब्द लिखने बोला गया एवं सही शब्द लिखने पर उन्हें पुरस्कृत किया गया।

श्रीमती पारुल कुश जैन के व्याख्यान से उपस्थित सभी लोग काफी प्रभावित हुए अंत में संस्थान की हिंदी अधिकारी

कृपया ध्यान दें

सीएसआईआर की सभी प्रयोगशालाओं के नोडल अधिकारियों / जनसम्पर्क अधिकारियों / हिन्दी अधिकारियों / अनुवादकों से अनुरोध है कि वे अपने संस्थान से सम्बन्धित गतिविधियों तथा वैज्ञानिक अनुसंधान उपलब्धियों / पुरस्कार / सम्मानों / कार्यशालाओं / संगोष्ठियों आदि से सम्बन्धित

समाचार / सूचना सीएसआईआर समाचार में प्रकाशन के लिए हार्ड अथवा सॉफ्ट कॉपी में संपादक, सीएसआईआर समाचार को भेजने की कृपा करें।

संपादक
सीएसआईआर समाचार

श्रीमती अम्बालिका नाग के राष्ट्रगान एवं धन्यवाद के साथ कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।